प्रधानमंत्री (श्री एच.डी. देवेगौड़ा) : महोदय, आपकी अनुमति से मैं जहां तक असम के अवैध प्रवासी (अधिकारणों द्वारा अवधारण) अधिनियम का संबंध है, एक बात स्पष्ट करना चाहता हूं। आप और सम्पूर्ण सभा जानती है कि मैंने साढ़े छः दिन सभी पूर्वोत्तर राज्यों का दौरा किया था। मेरे दौरे के दौरान, मैंने समाज के सभी वर्गों से मिलने का प्रयास किया जिनमें राजनीतिक दलों के नेता, गैर-सरकारी संगठनों, राज्यपालों, मुख्यमंत्रियों, मंत्रियों और छात्र संघ शामिल हैं। इसी तरह, पूर्वोत्तर राज्यों के दौरे के दौरान मैंने लोगों के सभी वर्गों के साथ मिलने का प्रयास किया।

श्री राजेश पायलट : क्या आप किसानों से मिले?

श्री एच.डी. देवेगौड़ा : असम में यह मांग थी कि इस अधिनियम को निरस्त किया जाए। लगभग सभी राजनीतिक दल जिसमें सत्तारूढ़ दल भी हैं, इसे निरस्त करना चाहते हैं। लेकिन जमाइते-इस्लाम ने अन्त में मुझसे अनुरोध किया कि खासतौर पर इस अधिनियम के बारे में जल्दबाजी में कोई निर्णय न लें। मैंने उन्हें बताया कि वर्तमान संदर्भ में जब तक सभी दल सहयोग नहीं करते तो मेरे लिए किसी भी अधिनियम को निरस्त करना वास्तव में मुश्किल होगा और उन्हें भी सभा के संघटन के बारे में मालूम है और सरकार सभी दलों के सहयोग के साथ इस पर विचार करेगी।

महोदय, यह मुद्दा पत्रकारों ने प्रेस संवाददाता सम्मेलन में उठाया था। अधिकांश लोग इस अधिनियम को निरस्त करना चाहते हैं क्योंकि इस अधिनियम से उद्देश्य की पूर्ति नहीं हो पा रही है। यह मुख्य विवादग्रस्त विषयों में से एक है। इस अधिनियम के अन्तर्गत विदेशियों का पता लगाने के लिए एक न्यायाधिकरण गठित किया गया है।

मैं इस अधिनियम के प्रभावों जैसे ब्यौरे में नहीं जाना चाहता। हालांकि उन्होंने 3.78 लाख लोगों की विदेशियों के रूप में पहचान की है। आखिरकार, न्यायाधिकरण ने लगभग 1000 लोगों को बंगलादेश वापस भेजने का आदेश पारित किया, इस तरह बातचीत का यही कुल परिणाम है।

मैं अब इसके गुणावगुणों में नहीं पड़ना चाहता लेकिन इस मुद्दे पर कुछ विवाद है। जब तक मैं पूरी सभा को विश्वास में नहीं ले लेता, तब तक अभी इस अधिनियम को निरस्त करने का प्रश्न नहीं उठता।

अपराह्न 3.18 बजे

[अनुवाद]

आंध्र प्रदेश में समुद्री तूफान से उत्पन्न स्थिति—जारी

सभापति महोदय : माननीय सदस्यगण, सभा की अनुमति से, हम नियम 193 के अधीन पुनः चर्चा शुरू करेंगे। मेरे विचार से, श्री के.एस. आर. मूर्ति बोल रहे थे और इसलिए, वह अपना भाषण जारी रखें।

श्री के.एस.आर. मूर्ति (अमलापुरम) : सभापति महोदय, हम प्रधान मंत्री के बड़े आभारी हैं कि उन्होंने इस आपदा पर चर्चा के दौरान उपस्थित रहने की अपनी मंजूरी दे दी है। हमारे देश के इतिहास में इतनी बड़ी आपदा कभी नहीं आई। हम लोग तो खासतौर पर खुश हैं क्योंकि प्रेस में परस्पर विरोधी खबरें छप रही हैं कि प्रधान मंत्री और मुख्य मंत्री के बीच सब कुछ ठीक-ठाक नहीं है और इन दो पदाधिकारीयों के बीच पैदा हुई गलतफहमी की वजह से आंध्र प्रदेश राज्य को परेशानी उठानी पड़ सकती है।

महोदय, मैं अमलापुर संसदीय निर्वाचन क्षेत्र से निर्वाचित सदस्य हूं जहां सात में से छः विधान सभा क्षेत्र पूरी तरह से जलमग्न हो गए हैं। जब माननीय प्रधानमंत्री ने अमलापुरम का दौरा किया तो मुझे यह जानकारी नहीं दी गई थी कि प्रधानमंत्री वहां पहुंच रहे हैं। जब माननीय कृषि मंत्री ने वहां का दौरा किया तो भी मुझे नहीं बताया गया। यह तो शिष्टाचार की बात है कि जब भी कभी कोई मंत्री अथवा प्रधान मंत्री किसी संसद सदस्य के क्षेत्र का दौरान करते हैं तो उस संसद सदस्य को इसके बारे में बताया जाना चाहिए। यहां तक कि यदि अंतिम मौके पर कोई परिवर्तन किया जाता है तो उस परिवर्तन के बारे में भी माननीय सदस्य को, चाहे वह नहीं भी हो, बताया जाना चाहिए।

जहां तक मौसम विभाग द्वारा निभाई गई भूमिका का संबंध है, उन्होंने तूफान के 60 से 70 किमी. प्रति घंटे की गति का पूर्वानुमान लगाया था जबकि वास्तविक गति 220 किमी. प्रति घंटा थी। यदि आकाशवाणी और दूरदर्शन पर 220 किमी. प्रति घंटा की गति का पूर्वानुमान बताया गया होता और यह संकेत दिया गया होता कि अनेक मकान ढह सकते हैं, अनेक पेड़ गिर सकते हैं तो लोगों ने स्वयं ही ऐहतियाती उपाय किये होते और ऐसे स्थानों पर शरण ले ली होती जहां वे आवश्यक समझते। लेकिन ऐसा नहीं किया गया।

माननीय गृह मंत्री ने अपने वक्तव्य में कहा कि प्रौद्योगिकी उपलब्ध नहीं थी। अमरीका और ब्रिटेन जैसे देशों में यह प्रौद्योगिकी उपलब्ध है। हम सभी जानते हैं कि 1977 में इसी तरह की एक आपदा डिविसीमा (अमरीका) में घटित हुई थी जिसमें करीब 10,000 लोग मर गए थे। अमरीकी और अमरीका में रह रहे भारतीयों ने उपग्रह के जरिए देखा था कि वहां पर क्या हुआ था। यह बड़े दुर्भाग्य की बात है कि आज भी भारत सरकार के पास वह प्रौद्योगिकी नहीं है जो ऐसे तूफानों की गति के बारे में पूर्वानुमान बता सके, जो समुद्री तूफान और तूफानी हवाओं के बारे में स्थिति को दूरदर्शन पर दिखा सके। हम अमरीका में देखते हैं कि किस तरह से समुद्री तूफान एक एक मिनट पर चलते हैं। जब अमलापुरम में यह घटना हो रही थी तो दूरदर्शन एक दिवसीय क्रिकेट मैच का प्रसारण कर रहा था। इससे पता चलता है कि इन लोगों के जीवन की रक्षा करने में हम कितनी रूचि लेते हैं।

इस सबके बाद मैं वहां हुई मौतों के बारे में अवश्य बोलना चाहूंगा। सरकार ने कहा है कि 971 लोगों के मरने तथा 925 लोगों के लापता होने की खबर है। लेकिन स्थानीय लोग कहते हैं कि यह संख्या 2,000 से भी काफी ज्यादा हो सकती है। क्षेत्र के चारों ओर फैले